पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/24-26 प्रकाशित 16.01.2024 इस अंक का मूल्य 2 रूपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-*110007*, चलभाष : 9810117464, 9868051444

दानदाताओं से अपील

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के कार्य व गतिविधियों में सहयोग करने हेतु खाता संख्या 10205148690 स्टेट बैंक आफ इण्डिया, घन्टाघर, दिल्ली–110007, आई. एफ. एस.कोड - SBIN0001280 पर सीधे भेज कर हमें फोन न. 9868051444 पर एस.एम.एस कर दें या 9810117464 पर Paytm कर दें। – अनिल आर्य

वर्ष-40 अंक-16 माघ-2080 दयानन्दाब्द 200 16 जनवरी से 31 जनवरी 2024 (द्वितीय अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.
प्रकाशित: 16.01.2024, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् का शरद कालीन आर्य युवा शिविर सम्पन्न

चरित्रवान संस्कारित युवा मजबूत राष्ट्र की नीव है –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

रविवार, 7 जनवरी 2024, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में आठ दिवसीय 'शरद कालीन आर्य युवा शिविर' का आयोजन आर्य समाज सूर्य निकेतन विकास मार्ग पूर्वी दिल्ली में किया गया। शिविर में बच्चों को संध्या, यज्ञ, योग आसन, संगीत, कराटे, लाठी आदि का प्रशिक्षण दिया गया। शिविर में 70 युवाओं ने भाग लिया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि अनिल आर्य (राष्ट्रीय अध्यक्ष केन्द्रीय आर्य युवक परिषद) ने कहा कि चरित्रवान संस्कारित युवा ही राष्ट्र की नीव है आज की युवा पीढ़ी को देशभक्ति के जज्बे से ओतप्रोत करना आवश्यक है क्योंकि दो विचार धाराओं का टकराव है एक देश को बांटना चाहती है जिसका मुकाबला राष्ट्र भक्तों को करना है आर्य समाज एक राष्ट्रवादी आंदोलन है जिसका देश को आजाद कराने में उल्लेखनीय योगदान रहा। कार्यक्रम के अध्यक्ष वेद प्रकाश आर्य ने भी युवाओ से आर्य समाज से जुड़ने व जीवन सुधार करने का

आह्वान किया।कुशल संचालन यशोवीर आर्य ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ आचार्य महेन्द्र भाई ने यज्ञ के साथ किया।युवा लेखक काशी राम रजक की पुस्तक का विमोचन किया गया। व्यायाम शिक्षक योगेन्द्र शास्त्री (जींद),विकास कुमार,अवनीश गाजियाबाद, रोहित आर्य रोहतक ने प्रशिक्षण दिया। आर्य युवाओ के रोचक व्यायाम प्रदर्शन के कार्यक्रम हुए। आर्य नेता रामकुमार आर्य, महेश भार्गव, डॉ. वीरपाल विद्यालंकार (गाजियाबाद), अजय आर्य पथिक, एडवोकेट पाराशर, संजय कपूर, विनोद खुल्लर, ईश् नारंग, सुदेश वीर आर्य,विकास शास्त्री,राजीव कोहली आदि ने भी अपने विचार रखे व शुभकामनायें दीं।

स्वामी श्रद्धानन्द जी पर व्याख्यान माला सम्पन्न

स्वामी श्रद्धानंद शुद्धि आंदोलन के प्रणेता थे –डॉ. विवेक आर्य

रविवार 07 जनवरी 2024, भारतीय हिन्दू शुद्धि सभा के तत्वावधान में 'स्वामी श्रद्धानंद जी' पर आर्य समाज डेरावाल नगर (मॉडल टाउन) दिल्ली में व्याख्यान का आयोजन किया गया। वैदिक प्रवक्ता डॉ. विवेक आर्य ने कहा कि स्वामी श्रद्धानंद जी का हिन्दू जाति के लिए बलिदान अतुलनीय था उन्होंने देश व धर्म के लिए अपने सर्वस्व परिवार को न्यौछावर कर दिया।डॉ.विवेक आर्य ने स्वामी जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनके द्वारा आरंभ किए गए शुद्धि एवं दलितों के उद्धार के कार्य को आगे बढ़ाने के किए प्रेरणा दी। आज 100 वर्ष पश्चात हम उसी मोड़ पर खड़े हैं। इसलिए हिंदू समाज को इस कार्य को तत्परता से करने का संकल्प लेना चाहिए। यह हमारी आने वाली पीढ़ियों की रक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। इस अवसर पर भारतीय हिंदू शुद्धि सभा द्वारा प्रकाशित साहित्य को भी उपलब्ध

(शेष पृष्ठ 4 पर)

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् द्वारा कोरोना काल से 603वां वेबिनार सम्पन्न

नववर्ष पर 'कह लो दिल की बात' सम्पन्न

संगीत स्वास्थ्य के लिए ओषधि के समान है –अनिल आर्य

शुक्रवार 30 दिसम्बर 2023, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में अंग्रेजी नववर्ष के उपलक्ष्य में 'कह लो दिल की बात' कार्यक्रम का ऑनलाइन आयोजन किया गया। यह कोरोना काल से 599वाँ वेबिनार था। सभी ने नए पुराने गीत, कविता, शायरी सुना कर मनोरंजन किया। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि संगीत उतम स्वास्थ्य के लिये ओषधि के समान है और तनाव कम करने में सहायक है। अतः रात्री में सोने से पूर्व संगीत का आनंद लेना चाहिए जिससे नींद अच्छी आएगी। उन्होंने कहा कि पुराने गीतों की कसक धुन सदैव जिवित रहेगी। गायिका पिंकी आर्या, रजनी गर्ग, सुनीता अरोड़ा, सुदेश आर्या, नरेश खन्ना, नताशा कुमार, दीप्ति सपड़ा, राजश्री यादव, संतोष धर, अशोक गुगलानी, विजय खुल्लर, कौशल्या अरोड़ा, अशोक गुलाटी आदि ने सुन्दर प्रस्तुति दी। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने भी गीत सुना कर धन्यवाद ज्ञापन किया।

'नव वर्ष के संकल्प' पर गोष्ठी सम्पन्न

संकल्प लक्ष्य प्राप्ति में सहायक होते हैं –आचार्य श्रुति सेतिया

सोमवार 1 जनवरी 2024, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'नव वर्ष के संकल्प' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कोरोना काल से 600 वाँ वेबिनार था। योगाचार्य श्रुति सेतिया ने कहा कि संकल्प हमारी लक्ष्य प्राप्ति में सहायता करते हैं,व्यक्ति जब कुछ करने का निश्चय करता है तो उसका दृढ़ संकल्प ही आगे बड़ने में सहायक होता है। बिना संकल्प लिए कोई कार्य लक्ष्य प्राप्त नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि हमें नव वर्ष पर भी कुछ संकल्प लेने चाहिएं कुछ अच्छा करने का और कुछ बुरी आदतों को छोड़ने का। मनुष्य जीवन परमात्मा की देन है जो परमात्मा के अलावा कोई किसी को दे नहीं सकता।ईश्वर द्वारा दिए गए ज्ञान वेद के आधार पर सृष्टि के आरंभ में ही हमारे ऋषि मुनियों ने प्रत्येक मनुष्य को पांच दैनिक कर्तव्य निर्धारित किए थे।पहला कर्तव्य ईश्वर का ध्यान करना,जिसे संध्या कहते हैं। दूसरा देव यज्ञ,अग्निहोत्र या हवन है। तीसरा पितृयज्ञ है जिसमें माता–पिता,परिवार वा समाज के बड़ो वा वृद्धजनों की श्रद्धापूर्वक सेवा करनी होती है। चौथा कर्तव्य अतिथि यज्ञ,अर्थात समाज वा देश के विद्वानों, आचार्यों,ज्ञानियों,समाज हितेषियो,देश भक्तों आदि की श्रद्धा के साथ सेवा,सहायता, सहयोग वा उनके प्रति श्रद्धा की भावना रखनी होती है। पांचवा कर्तव्य बलिवैश्व देव यज्ञ।यह प्राणी मात्र के प्रति मित्रता की भावना को रखते हुए जीवन यापन में सहयोग करना वा अपना जीवन शत प्रतिशत अहिंसापूर्वक व्यतीत करना।इन पांच कर्तव्यों के निर्वाह करने से व्यक्तिगत, सामाजिक,स्वदेश वा वैश्विक उन्नति के अनेक प्रयोजन सिद्ध होते हैं।हम समझते हैं कि नूतन वर्ष 2024 को मनाते हुए दैनिक पंच महायज्ञ को करने का संकल्प ले कर भी इस दिन को मना सकते हैं।नए साल पर अधिकांश लोग नशे की अपनी आदत को छोड़ने अथवा अपनी दिनचर्या से संबंधित संकल्प करते हैं।जैसे मंदिर जाना,सुबह जल्दी उठ कर मॉर्निंग वॉक पर जाना,रोज धर्म संबंधी किताबे पढ़ना आदि।इन संकल्पों के पीछे यह मूल भावना होती है कि उनके जीवन की गुणवत्ता बढ़े।वे अधिकांश समय तक स्वस्थ जीवन जी सकें। संकल्प लेना अच्छी बात है लेकिन इसके लिए खुद को तैयार करना पड़ता है और अपने मन को मजबूत करने की जरूरत पड़ती है।ये संकल्प हमें लक्ष्यों को प्राप्त करने की संभावनाओं की प्रत्याशा में उत्साह भर सकते हैं। मुख्य अतिथि आर्य नेत्री शिक्षाविद् चन्द्रकांता गेरा (कानपुर) व अध्यक्ष अनिता रेलन ने भी कर्म शील बनने का संदेश दिया।परिषद अध्यक्ष अनिल आर्य ने कुशल संचालन करते हुए पुरूषार्थी बनने का आह्वान किया।राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने धन्यवाद ज्ञापन किया। गायिका कौशल्या अरोड़ा, कृष्णा गांधी, प्रवीना ठक्कर, कमलेश हंस, उषा सूद, जगदीश कपूर, सुनीता अरोड़ा,शोभा बत्रा, संतोष धर,सुदर्शन चौधरी, सुदेश चुग ने मधुर भजन सुनाए।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में

168वाँ स्वामी श्रद्धानन्द जन्म दिवस समारोह

31 कुण्डीये राष्ट्र रक्षा यज्ञ

वीरवार 22 फरवरी 2024, प्रातः 9 बजे से दोपहर 1.30 बजे तक

स्थानः गीता भारती स्कूल अशोक विहार फेज 2 ,दिल्ली

ब्रह्माः आचार्य विमलेश बंसल जी

ध्वजारोहणः ठाकुर विक्रम सिंह जी

प्रवचनः आचार्य अखिलेशवर जी महाराज

मुख्य अतिथिः स्वामी आर्य वेश जी महाराज

मधुर भजनः श्री संजय व स्वर्णा सेतिया मंडली,पिंकी आर्या

समारोह अध्यक्षः श्री यशोवीर आर्य जी

आप सपरिवार सादर आमंत्रित हैं

ऋषि लंगरः–दोपहर 1.30 से 2.30 बजे तक

यजमान बनने के लिए अपने नाम आरक्षित कर ले

संयोजक– अनिल आर्य, **स्वागत अध्यक्ष**–राजरानी अग्रवाल,

सहसंयोजक– महेन्द्र भाई, देवेन्द्र भगत,

प्रचार सचिव– प्रेम सचदेवा, जनसंपर्क अधिकारी

ओ३म्

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद

के वार्षिकोत्सव पर

''अंतर्राष्ट्रीय आर्य महा वेबिनार''

कार्यक्रमः

दिनाँक 26 जनवरी के कार्यक्रमः-

1.यज्ञ–प्रातः 11 से 12.30 तक

2. आर्य महिला सम्मेलनः-

शाम 4.00 से 6.00 तक

दिनांकः- 27,28 जनवरी

यज्ञ–प्रातः 9 से 10.15 तक

सम्मेलन-विचार गोष्ठीः-

3. प्रातः 11.30 से 1.30 बजे तक

4. शाम 4.00 से 6.00 बजे तक

Zoom Link या Youtube channel-
Arya Yuvak Parishad से जुड़े

निवेदकः

अनिल आर्य, संयोजक **देवेन्द्र भगत,** सहसंयोजक

Mobile:9810117464,9958889970

Email: aryayouth@gmail.com

सनातन संस्कृति के गौरव श्री राम पर गोष्ठी सम्पन्न

श्रीराम मंदिर भारतीय संस्कृति का स्मारक है –अतुल सहगल

हिन्दी से स्वाभिमान जागृत होता है –अनिल आर्य

सोमवार 08 जनवरी 2024,केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'सनातन संस्कृति के मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कोरोना काल से 602 वां वेबिनार था। वैदिक प्रवक्ता अतुल सहगल ने कहा कि श्रीराम मंदिर भारतीय संस्कृति के गौरव का प्रतीक है। यह संस्कृति आदिकाल से चल रही है क्योंकि यह ईश्वर प्रदत्त वैदिक विचारधारा से जुड़ी है। सनातन शब्द का अर्थ ही यही है जो सर्वदा अस्तित्व में रहे। उन्होंने कहा कि इस दिव्य संस्कृति को भारत से जोड़ते हुए इसके मुख्य लक्षणों और विशेषताओं को प्रस्तुत किया। मंदिर शब्द को लेकर उसकी विस्तृत विवेचना की। मंदिर वह स्थल है जहाँ मन को अपने ईष्ट देव परमेश्वर की और केंद्रित करके उसकी आराधना की जाती है। वैदिक विचारधारा के अनुसार आराधना में ईश्वर की स्तुति, प्रार्थना और उपासना आ जाते हैं। ये सब मन में ही होते हैं।इसलिए मन ही मंदिर है – ईश्वर उपासना का। मंदिर के रूप में जो विशाल भवन आदि निर्मित करते हैं वे हमारे महापुरुषों के स्मारक स्थल हैं और हमारी अनवरत संस्कृति के विस्तार के साधन हैं। श्रीराम मंदिर के कुछ ऐतिहासिक तथ्य सामने रखे।इस मंदिर के निर्माण में हमारे समाज के गणों ने जो संघर्ष किये और धन, ऊर्जा और प्राण अर्पित किये वे उल्लेखनीय हैं। राम जन्मभूमि पर स्थित पुरातन मंदिर के सन् 1528 में बाबर द्वारा विध्वन्स के बाद की घटनाओं से लेकर पिछले 100 वर्ष के घटनाक्रम का उल्लेख किया। आज भव्य राम मंदिर निर्माण की प्रक्रिया में है। वक्ता ने बताया कि ₹1500 करोड़ की लागत से यह मंदिर दिसंबर 2025 तक पूर्ण रूप से बन जायेगा। वक्ता ने उसके बाद इस बात का उल्लेख किया कि किस प्रकार भारतवासियों की अपनी दुर्बलताओं के कारण ही वे विदेशी शत्रुओं से परास्त हो गए और राम मंदिर और उसके जैसे अन्य स्मारक शत्रुओं द्वारा नष्ट भ्रष्ट कर दिए गए। ऐसा अब न होने देने का हम प्रण करें। अपनी सांस्कृतिक विकृतियों को दूर करें और अपनी दुर्बलताओं का निराकरण करें। श्रीराम के चरित्र को अपने जीवन में अधिक से अधिक उतारें। यही समय की मांग है। श्रीराम को राष्ट्र पुरुष घोषित करें और सरकारी मुद्राओं पर उनका चित्र अंकित करें। इससे भी आगे बढ़ते हुए हम श्रीराम को युगपुरुष के रूप में प्रतिष्ठित करें। भव्य श्रीराम मंदिर को अपनी दिव्य संस्कृति के विश्वरूपी विस्तार का साधन केंद्र बनायें। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने विश्व हिंदी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह हमारे स्वाभिमान का प्रतीक है। मुख्य अतिथि शिक्षाविद श्री निवास तिवारी व अध्यक्ष सोहन लाल आर्य ने श्री राम के आदर्शों को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

ठिठुरती सर्दी में प्रभु की वर्दी पर गोष्ठी सम्पन्न

भारतीय ऋतुयें परमात्मा का वरदान हैं –आचार्य विमलेश बंसल

शुक्रवार 5 जनवरी 2024, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में 'ठिठुरती सर्दी में प्रभु की वर्दी' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया।यह कोरोना काल से 601 वां वेबिनार था। वैदिक विदुषी आचार्या विमलेश बंसल ने कहा कि ईश्वर की बनाई सृष्टि में भारतीय जनों के लिए ऋतु की जो काल चक्र परिवर्तित व्यवस्थित सुंदर व्यवस्था है उसे समझकर विधान पूर्वक सेवन करने की आवश्यकता है वसंत जहां सुखद है वहां सभी ऋतुओं सहित सर्दी भी ईश्वरीय वरदान है। ईश्वर की बनाई सभी ऋतु रमणीय हैं वसंत इन ऋतु मंत्र की व्याख्या स्वयं परमपिता परमेश्वर ने हमारे लिए ऋग्वेद में की है।जिसमें छहों ऋतुओं की रमणीयता को दर्शाया है हम ईश्वर की इस वैदिक ज्ञान विज्ञान की वर्दी को ओढ़ सर्दी को नमन करने वाले बनें,वेद से अज्ञान मिटाएं,वृहद यज्ञ द्वारा ताप मिटाएं,योग द्वारा स्वास्थ्य पाएं,एसी आठ लेयर की योगाभ्यास की वर्दी पहन युक्त आहार विहार भोजन भजन भ्रमण से उमंग उल्लास आनंद द्वारा बढ़ें बढ़ाएं सकल विश्व को आर्य बनाएं,ईश्वर की सन्निधि से धन्यवाद करते हुए परमानंद पाएं। उपसंहार करते हुए स्वरचित रचना भी ऋतुओं की सुंदर व्यवस्था पर प्रस्तुत की। मुख्य अतिथि आर्य नेत्री रेणु त्यागी व अध्यक्ष योगाचार्या शांता तनेजा ने भी भिन्न भिन्न मौसम की चर्चा करते हुए सर्दी में कर्म शील बनने का संदेश दिया। परिषद अध्यक्ष अनिल आर्य ने कुशल संचालन किया व राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने धन्यवाद ज्ञापन किया। गायिका प्रवीना ठक्कर,कमला हंस, कौशल्या अरोड़ा, रविन्द्र गुप्ता, उषा सूद, कृष्णा मुखी, नरेश चन्द्र आर्य, कमलेश चांदना आदि के मधुर भजन हुए।

परिषद् की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद की राष्ट्रीय कार्यकारिणी, अंतरंग सभा व सक्रिय कार्यकर्ताओं की एक **आवश्यक बैठक रविवार 21 जनवरी 2024 को अपरान्ह 2.30 बजे आर्य समाज कबीर बस्ती, पुरानी सब्जी मंडी, दिल्ली–110007** (निकट मेट्रो स्टेशन पुल बंगश) में बुलायी गयी है।

विषयः–बैठक में अंतरराष्ट्रीय आर्य महावेबनार 26, 27 व 28 जनवरी 2024, स्वामी श्रद्धानंद जी जन्मोत्सव 22 फ़रवरी, महर्षि दयानन्द जन्मोत्सव 5 मार्च, शहीद दिवस 23 मार्च, ग्रीष्मकालीन आर्य युवक शिविर के संदर्भ में विचार किया जाएगा।

अतः सभी साथी कृपया समय पर पहुंच कर संघठन को बल प्रदान करे। आपके पूर्ण सहयोग की कामना के साथ।

–**अनिल आर्य,** राष्ट्रीय अध्यक्ष –**महेन्द्र भाई,**महामंत्री

–**धर्मपाल आर्य,** कोषाध्यक्ष

200वीं महर्षि दयानन्द जयन्ती

5 मार्च 2024 को धूमधाम से मनाए –अनिल आर्य

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने समस्त आर्य समाजों/आर्य जनता से अपील की है कि आगामी **5 मार्च 2024** को **'दयानन्द दशमी'** पर्व आ रहा हैं, इस बार **200 वी जयंती** है तो सभी आर्य समाज दीप उत्सव मनाए, ओम ध्वज लगाए, विचार गोष्ठी, टीवी डिबेट, जगह जगह लंगर लगाए, साहित्य वितरण करे, लाइटिंग करें, विद्यालयों में प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाए। समाचार पत्रों में शुभकामनाओं के विज्ञापन दे, होर्डिंग्स बैनर लगा कर सारा वातावरण **'दयानन्द मय'** कर दे।

आशा है आप सभी मेरी अपील पर उत्साहपूर्ण कार्य करेगे।

आर्य समाज और श्रीराम पर गोष्ठी सम्पन्न

श्रीराम जी के आदर्शों को जीवन में धारण करें –कृष्ण कुमार यादव

22 जनवरी को आर्य समाज दीप उत्सव मनायेगा –अनिल आर्य

शुक्रवार 12 जनवरी 2024, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'आर्य समाज और श्री राम' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह करोना काल से 603 वा वेबिनार था। आर्य नेता कृष्ण कुमार यादव (प्रधान, आर्य समाज वृंदावन गार्डन, साहिबाबाद) ने कहा कि आर्य समाज श्री राम जी को मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के रूप में मानता है हमे उनके आदर्शों को जीवन में धारण करना चाहिए। श्री रामजी एक आज्ञाकारी सन्तान, आदर्श भ्राता, पति है ,मित्र जो सिद्धांतो व आदर्शों के लिए ही जिये, साथ ही प्रजा पालक के रूप में भी कीर्ति अर्जित की। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि आर्य समाज चित्र की नहीं अपितु चरित्र की पूजा कर्ता है। श्री राम मंदिर का निर्माण प्रसन्नता देने वाला है और हिन्दू जाग्रति का द्योतक बन गया है। इससे प्रत्येक राष्ट्रवादी में स्वाभिमान की भावना बड़ी है। अतः 22 जनवरी को सभी आर्य समाज आर्य बंधु दीप उत्सव मनाएंगे। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि 500 वर्ष के बाद आयी इस खुशी को सब मिलकर मनाए। गायिका प्रवीना ठक्कर, रविन्द्र गुप्ता, रेणु त्यागी, कौशल्या अरोड़ा, जनक अरोड़ा, उषा सूद, सुनीता अरोड़ा , कमला हंस ,कुसुम भंडारी, कृष्णा गांधी,चन्द्र कांता आर्य,अमित आर्य आदि के मधुर भजन हुए।

प्रो. कुलदीप सलिल का जन्मोत्सव व आर्य समाज बिरला लाइंस का उत्सव सम्पन्न

ईश्वरोपासना (मूर्तिपूजा)

व्याख्याता – शास्त्रार्थ–महारथी पं० रामचंद्र देहलवी जी

ओ३म् भद्रं कर्णेभिः शृणुयाम देवाः भद्रपश्येमाक्षभिर्यजत्राः। स्थिरैरंगैस्तुष्टुवाँ सस्तनुभिर्व्यशेमहि देवहितं यदायुः॥ यजु० २५।२१

स्तुति किसकी करनी चाहिए और क्यों करनी चाहिए, यह प्रश्न आज साधारण जनता के मस्तिष्क में उत्पन्न होता है। केवल इतना ही नहीं इसके साथ अन्य अनेक प्रश्न भी वे करते हैं । किन्तु प्राचीन काल के पुरुष यह शंका नहीं किया करते थे कि स्तुति, प्रार्थना और उपासना किसे कहते हैं और यह क्यों करनी चाहिए। उनका आचार ऊंचा था। आजकल के मनुष्यों में समझ कम और कुतर्क अधिक है, आचार नहीं है।

जो परमात्मा को नहीं मानते उनसे तो हमें कुछ भी नहीं कहना है, लेकिन मानने वाले भी कई बार कहते हैं कि जब परमात्मा हमें कर्मों का फल देगा, तो उसकी स्तुति आदि हम क्यों करें ? उसकी स्तुति आदि करना उसकी खुशामद ही तो है। यह भी देखने में आता है कि उपासना करने वाले झूठे और बेईमान हैं तथा उपासना न करने वाले अकसर अच्छे होते है फिर यह भी प्रश्न है कि भगवान नास्तिक क्यों उत्पन्न किये ? इसका भी कारण है। परमात्मा ने इस संसार में जो कुछ किया है, ठीक ही किया है । भगवान को किसी काम से कोई हानि लाभ नहीं । वह पूर्ण है। उसमें किसी भी प्रकार का कोई जोड़ या बाकी नहीं। मनुष्यों को शिक्षा देने के लिए हो उसने यह सब इन्तजाम किया। नास्तिक लोगों को उत्पन्न करने का लाभ यह है कि जो मनुष्य अपने को ईश्वर भक्त कहते हैं, किन्तु इनके कर्म गिरे हुये हैं और नास्तिक का आचरण ऊंचा है, तो फिर ईश्वर को मानने से और स्तुति प्रार्थना और उपासना करने से क्या लाभ ? भगवान के गुणों का कोई प्रदर्शन नहीं होता। जो नाम के उपासक हैं, वे अपने काम से भगवान को नहीं मानते हैं लेकिन जो नाम के उपासक नहीं, वे काम से भगवान को मानते हैं। यह शंका करने वालों ने उन्हें पेश किया।

भगवान तो सदा भक्तों का साथी होता है। वह भक्त के वश में सदा से होता आया है। भगवान हमें कर्मों का फल देगा, उपासना का फल देगा। भगवान ने हमें बहुत सी चीजें दी हैं हमें उसको धन्यवाद देना चाहिए । शंका करने वाले कहते हैं कि यह बात तो है, लेकिन इतनी सन्ध्या करने की क्या आवश्यकता है ? नहीं इसका भी फल है । क्या ? मन को दो वृत्तियां होती हैं, अन्तमुख और बहिर्मुख । वृत्तियों का केन्द्र नाभि है । वृत्तियां जितनी भी दूर जाती हैं, उनको कौन रोकता है ? नाभि । जिस प्रकार कोई गधा या घोड़ा एक खूटे में बधी रस्सी से बन्धा हुआ है, वह गधा या घोड़ा उस रस्सी से बाहर नहीं जा सकता । जगत में जहां तक लाभ लेना चाहिए वहां तक हमारी प्रवृत्ति जानी चाहिए, सीमा से बाहर नहीं । अति सब जगह बुरी होती है– ष्अति सर्वत्र वर्जयेतष जिस प्रकार आचार तो ठीक है यदि उसके साथ अति लगा दें तो अत्याचार हो जाता है। इसलिए जगत में अति किसी काम में नहीं करनी चाहिए और मर्यादा में हो रहना चाहिए।

जहां होता है भरपूर काम और प्रभु का गुणगान आर्य युवक परिषद् है उसका नाम

(पृष्ठ 1 का शेष)

करवाया गया था। कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्व मेट्रो पोलिटन मजिस्ट्रेट ओम सपड़ा ने भूमिका बनाते हुए घर वापसी अभियान के महत्व व आवश्यकता पर प्रकाश डाला। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि जो हिन्दू किसी भय या लालच के कारण विधर्मी बन गए थे उन्हें पुनः वापिस लाने के स्वामी श्रद्धानंद जी ने भारतीय हिन्दू शुद्धि सभा की स्थापना की थी आज घर वापिस लाने के कार्य को गति देने की आवश्यकता है। कार्यक्रम का संचालन अविनाश चुघ ने किया उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से एतिहासिक जानकारी मिलती है। आचार्य भोला नाथ शास्त्री ने सभी का अभार व्यक्त किया। इस अवसर पर संजीव आर्य, अवधेश प्रताप सिंह, बनवारी लाल आर्य, हस्त लेखक द्रोणाचार्य, गोपाल आर्य, शंकर गुप्ता आदि उपस्थित थे।

सम्पादक: **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिंटर्स**, 2199/63,नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली-5 दूरभाष : 41548503 **मो.**: 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी-176-177, कबीर बस्ती, दिल्ली-7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970